Toppersnotes
Unleash the topper in you

ग्राम विकास अधिकारी

(VDO)

मुख्य परीक्षा

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर

भाग - 3

हिंदी एवं अंग्रेजी

SIERRA INNOVATIONS

VDO MAINS

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
	हिन्दी	
1.	संधि	1
2.	समास	26
3.	उपसर्ग	43
4.	प्रत्यय	55
5.	पर्यायवाची	66
6.	विलोम – शब्द	73
7.	शब्द युग्म	79
8.	वाक्य के लिए एक शब्द	90
9.	वर्तनी शुद्धि	96
10.	शुद्ध–वर्तनी एवं वाक्य शुद्धि	100
11.	मुहावरे	111
12.	लोकोक्ति	121
13.	पारिभाषिक शब्दावली	134
	English	
1.	**Parts of Speech**	
	• Noun	146
	• Pronoun	152
	• Adjective	157
	• Verb	165
	• Adverb	177
	• Preposition	185
	• Conjunction	197
2.	Articles	205
3.	Times & Tense	210
4.	Subject Verb Agreement	216
5.	Voice	222

6.	Narration	231
7.	Unseen Passage	245
8.	Antonyms & Synonyms	269
9.	One Word Substitution	287
10.	Idioms & Phrases	313

संधि

संधि का अर्थ–मिलान
संधि की परिभाषा

- दो या दो से अधिक वर्णों के मेल से जो विकार उत्पन्न होता है वह संधि कहलाता है अर्थात् जब दो ध्वनियाँ आपस में मिलती है तो उसमें रूपान्तर आ जाता है, तब संधि कहलाती है।

  जैसे –

  प्रत्येक – प्रति + एक
  विद्यालय – विद्या + आलय
  जगदीश – जगत + ईश
  आशीर्वाद – आशीः + वाद

संधि का परिभाषा

कामता प्रसाद के अनुसार

दो निर्दिष्ट अक्षरों के पास–पास आने के कारण उनके मेल से विकार होता है, उसे संधि कहते है।

किशोरीदास वाजपेयी के अनुसार

जब दो या दो से अधिक वर्ण पास–पास आते हैं तो कभी–कभी उसमें रूपान्तर आ जाता है वह संधि कहलाती है।

संधि विच्छेद

- वर्णों के मेल से उत्पन्न ध्वनि परिवर्तन को ही संधि कहते है। परिणामस्वरूप उच्चारण एवं लेखन दोनों ही स्तरों पर अपने मूल रूप से भिन्नता आ जाती है। अतः वर्णों/ध्वनि को पुनः मूल रूप में लाना ही संधि विच्छेद कहलाता है।

  जैसे– वर्ण + मेल = संधि युक्त शब्द
  रमा + ईश = रमेश
  आ + ई = ए

- यहाँ (आ + ई) दो वर्णों के मेल से विकार स्वरूप 'ए' ध्वनि उत्पन्न हुई और संधि का जन्म हुआ।
  संधि विच्छेद के लिए पुनः मूल रूप में लिखना चाहिए।

  जैसे– शुभ + आगमन – शुभागमन
  सत् + आचरण – सदाचरण
  निः + ईश्वर – निरीश्वर

संधि के भेद		
स्वर संधि	**व्यंजन संधि**	**विसर्ग संधि**
(स्वर + स्वर का मेल) महा + आत्मा (आ + आ)	स्वर + व्यंजन → परि + छेद (इ + छ) व्यंजन + स्वर → दिक् + अम्बर (क् + अ) व्यंजन + व्यंजन → सत् + वाणी (त् + व्)	विसर्ग + स्वर → मनः + अविराम (ः + अ) विसर्ग + व्यंजन → तपः + वन (ः + व्)

1. स्वर संधि

स्वर से स्वर का जब मेल होता है तो उसमें विशेष विकार की स्थिति के उत्पन्न होनें को ही स्वर संधि कहा जाता है।

जैसे– विद्यार्थी – विद्या + अर्थी
आ + अ = आ

स्वर संधि के मुख्यतः पाँच भेद होते है–

स्वर संधि के भेद

- दीर्घ संधि
- गुण संधि
- वृद्धि संधि
- यण संधि
- अयादि संधि

(i) दीर्घ संधि

- इस संधि में दो समान स्वर मिलकर दीर्घ हो जाते है।
- यदि अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, के बाद वे ही (अर्थात् समान) लघु या दीर्घ स्वर आ जायें तो दोनों मिलकर आ, ई, ऊ, ॠ हो जाते हैं।

(अ + अ = आ)

अ + अ = आ	(i) युग + अन्तर = युगान्तर युग् अ + अन्तर युगान्तर युग् आ न्तर युग् अ + अन्तर युग + अन्तर	(ii) स्व + अर्थ = स्वार्थ स्व् अ + अर्थ आ स्व् आ र्थ स्वार्थ
अ + आ = आ	(i) हिम + आलय = हिमालय हिम् अ + आ लय आ हिम् आ लय हिमालय	(ii) गमन + आगमन = गमनागमन गमन् अ + आगमन आ गमन् आ गमन गमना गमन
आ + अ = आ	(i) तथा + अपि = तथापि तथ् आ + अ पि आ त थ् आ पि तथापि	(ii) महा + अमात्य = महामात्य मह् आ + अमात्य आ म ह् आ मात्य महामात्य
आ + आ = आ	(i) प्रेरणा + आस्पद = प्रेरणास्पद प्रेरण् आ + आ स्पद आ प्रेरण् आ स्पद प्रेरणास्पद	(ii) चिकित्सा + आलय = चिकित्सालय चिकित्स् आ + आलय आ चिकित्स् आ लय चिकित्सालय

इ + इ = ई	(i) अति + इव = अतीव अत् + इव ई अत् + ई व अतीव	(ii) कवि + इन्द्र = कवीन्द्र क व् इ + इन्द्र ई क व् ई न्द्र कवीन्द्र
इ + ई = ई	प्रति + ईक्षा = प्रतीक्षा प्रत् इ + ईक्षा ई प्र त् ई क्षा प्रतीक्षा **(PSI - 2018)**	
ई + इ = ई	मही + ईन्द्र = महीन्द्र मह् ई + ईन्द्र ई मह् ई न्द्र महीन्द्र	
ई + ई = ई	नारी + ईश्वर = नारीश्वर ना र् ई + ईश्वर नार् ई श्वर नारीश्वर	
उ + उ = ऊ	गुरू + उपदेश = गुरूपदेश गुर् उ + उपदेश ऊ गुर् + ऊ पदेश गुरूपदेश 1st grade – 2020	
उ + ऊ = ऊ	लघु + ऊर्मि = लघूर्मि ल घ् उ + ऊर्मि ऊ लघ् ऊ र्मि लघूर्मि	
ऊ + ऊ = ऊ	सरयू + ऊर्मि = सरयूर्मि सरय् ऊ + ऊर्मि ऊ सरय् उ र्मि सरयूर्मि	
ऋ + ऋ = ॠ	पितृ + ऋण = पितृण	

	पित् ॠ + ऋण ॠ पित् ॠ ण पितृण	

नोट – ऐसे ऋ वाली संधियो से बने दीर्घ ॠ वाले शब्द हिन्दी में प्रचलित नही है।

दीर्घ संधि के उदाहरण

अन्नाभाव	–	अन्न + अभाव	अ + अ = आ	परम + अर्थ = परमार्थ **(RAS - 1994)**
भोजनालय	–	भोजन + आलय	अ + आ = आ	
विद्यार्थी	–	विद्या + अर्थी	आ + अ = आ	
महात्मा	–	महा + आत्मा	आ + आ = आ	**REET - 2018**
गिरीन्द्र	–	गिरि + इन्द्र	इ + इ = ई	
महीन्द्र	–	मही + इन्द्र	ई + इ = ई	
गिरीश	–	गिरि + ईश	इ + ई = ई	
रजनीश	–	रजनी + ईश	ई + ई = ई	रवि + इन्द्र = रवीन्द्र (RAS परीक्षा)
भानूदय	–	भानु + उदय	उ + उ = ऊ	मुनी + इन्द्र = मुनीन्द्र (RAS परीक्षा)
वधूत्सव	–	वधू + उत्सव	ऊ + उ = ऊ	अभिप्सा = अभि + ईप्सा (SI परीक्षा)
रामावतार	–	राम + अवतार	अ + अ = आ	भय + आक्रांत = भयक्रांत (SI-2018)
सत्यार्थी	–	सत्य + अर्थी	अ + अ = आ	स्नेह + आविष्ट = स्नेहाविष्ट (SI परीक्षा)
रामायण	–	राम + अयन	अ + अ = आ	
धर्माधर्म	–	धर्म + अधर्म	अ + अ = आ	
पराधीन	–	पर + अधीन	अ + अ = आ	
पुण्डरीकाक्ष	–	पुण्डरिक + अक्ष	अ + अ = आ	
दैत्यारि	–	दैत्य + अरि	अ + अ = आ	
शताब्दी	–	शत + अब्दी	अ + अ = आ	
धर्मार्थ	–	धर्म + अर्थ	अ + अ = आ	
मुरारि	–	मुर + अरि	अ + अ = आ	
नीलाम्बर	–	नील + अम्बर	अ + अ = आ	
परमार्थ	–	परम + अर्थ	अ + अ = आ	
रूद्राक्ष	–	रुद्र + अक्ष	अ + अ = आ	
स्वाधीन	–	स्व + अधीन	अ + अ = आ	
गीताजंली	–	गीत + अंजली	अ + अ = आ	(RAS परीक्षा)
दीपावली	–	दीप + अवली	अ + अ = आ	
प्रार्थी	–	प्र + अर्थी	अ + अ = आ	
छिद्रन्वेषी	–	छिद्र + अन्वेषी	अ + अ = आ	
मूल्यांकन	–	मूल्य + अंकन	अ + अ = आ	
अन्त्याक्षरी	–	अंत्य + अक्षरी	अ + अ = आ	

सापेक्ष	–	स + अपेक्ष	अ + अ = आ	
अभयारण्य	–	अभय + अरण्य	अ + अ = आ	
सत्यार्थी	–	सत्य + अर्थी	अ + अ = आ	
नारायण	–	नार + अयन	अ + अ = आ	कंटक + आकीर्ण = कंटाकाकीर्ण (SI-2018)
परमात्मा	–	परम + आत्मा	अ + आ = आ	
पदावलि	–	पद + अवलि	अ + आ = आ	
रत्नाकर	–	रत्न + आकर	अ + आ = आ	
निगमागमन	–	निगम + आगमन	अ + आ = आ	
पद्माकर	–	पद्म + आकर	अ + आ = आ	
शरणागत	–	शरण + आगत	अ + आ = आ	
सत्याग्रह	–	सत्य + आग्रह	अ + आ = आ	
विद्याध्ययन	–	विद्या + अध्ययन	आ + अ = आ	
परीक्षार्थी	–	परीक्षा + अर्थी	आ + अ = आ	
रेखांकित	–	रेखा + अंकित	आ + अ = आ	
मुक्तावली	–	मुक्ता + अवली	आ + अ = आ	
दावानल	–	दावा + अनल	आ + अ = आ	
तथापि	–	तथा + अपि	आ + अ = आ	
महाशय	–	महा + आशय	आ + आ = आ	(RAS परीक्षा)
द्राक्षासव	–	द्राक्षा + आसव	आ + आ = आ	
विद्यालय	–	विद्या + आलय	आ + आ = आ	
महात्मा	–	महा + आत्मा	आ + आ = आ	(REET-2018)
प्रेरणास्पद	–	प्रेरणा + आस्पद	आ + आ = आ	(2nd grade - 2016)
कवीन्द्र	–	कवि + इन्द्र	इ + इ = ई	
अतिव	–	अति + इव	इ + इ = ई	
अभीष्ट	–	अभि + इष्ट	इ + इ = ई	
अतीत	–	अति + इत	इ + ई = ई	
महीन्द्र	–	मही + इन्द्र	ई + इ = ई	
महतीच्छा	–	महती + इच्छा	ई + इ = ई	
कपीश	–	कपि + ईश	ई + इ = ई	
प्रतीक्षा	–	प्रति + ईक्षा	ई + इ = ई	
अधीक्षण	–	अधि + इक्षण	ई + इ = ई	
अभीप्सा	–	अभि + इप्सा	ई + इ = ई	
नारीश्वर	–	नारी + ईश्वर	ई + ई = ई	प्रति + ईक्षा = प्रतीक्षा (SI परीक्षा)
सतीश	–	सती + ईश	ई + ई = ई	
लघूत्तम	–	लघु + उत्तम	उ + उ = ऊ	
सूक्ति	–	सु + उक्ति	उ + उ = ऊ	
अनूदित	–	अनु + उदित	उ + उ = ऊ	
गुरूपदेश	–	गुरु + उपदेश	उ + उ = ऊ	(1st Grade 2020)

भानूदय	–	भानु + उदय	उ + उ = ऊ	(SI परीक्षा 1996)
सिंधूर्मि	–	सिंधु + ऊर्मि	उ + ऊ = ऊ	
भानूर्जा	–	भानु + ऊर्जा	उ + ऊ = ऊ	
वधूत्सव	–	वधू + उत्सव	ऊ + उ = ऊ	
चमूत्तम	–	चमू + उत्तम	ऊ + उ = ऊ	
मातृण	–	मातृ + ऋण	ऋ + ऋ = ॠ	
होतृकार	–	होतृ + ऋकार	ऋ + ऋ = ॠ	

दीर्घ संधि की पहचान

दीर्घ संधि युक्त शब्दों में अधिकांशत आ, ई, ऊ की मात्राएँ (ा, ी, ू) आती है और इनका विच्छेद इन्ही मात्राओं से किया जाता है। जैसे – विद्यालय – विद्या + आलय

अपवाद

शक + अन्धु = शकन्धु

कर्क + अन्धु = कर्कन्धु

विश्व + मित्र = विश्वामित्र

मूसल + धार = मूसलाधार

मनस् + ईषा = मनीषा

युवन् + अवस्था = युवावस्था

(ii) गुण संधि

- जब अ, आ के बाद इ, ई आए तब दोनों मिलकर 'ए' हो जाते है।
  जैसे– देवेन्द्र – देव + इन्द्र (अ + इ = ए)
- अ, आ के बाद उ, ऊ आए तो दोनों मिलकर ओ हो जाते हैं।
  जैसे– वीरोचित – वीर + उचित (अ + उ = ओ)
- अ, आ के बाद ऋ, ॠ आए तो दोनों मिलकर अर् हो जाते हैं।
  जैसे–महर्षि–महा + ऋषि (आ + ऋ = अर)

गुण संधि की पहचान

गुण संधि युक्त शब्दों में अधिकांशत ए, ओ की मात्राएँ (े, ो) या र् आता है (र्) और इनका विच्छेद इन्हीं मात्राओं से किया जाता है।

गुण संधि को समझाने का तरीका

अ + इ = ए	गज + इन्द्र = गजेन्द्र गज् अ + इन्द्र ए गज् ऐ न्द्र गजेन्द्र नर + इन्द्र = नरेन्द्र नर् अ इ न्द्र

	ए नर् ए न्द्र नरेन्द्र
अ + उ त्र ओ	पर + उपकार = परोपकार पर् अ + उपकार ओ पर् ओ प कार परोपकार
आ + ऊ त्र ओ	गंगा + ऊर्मि = गंगोर्मि गंग् आ + उर्मि ओ गंग् ओ र्मि गंगोर्मि
अ + ऋ त्र अर्	सप्त + ऋिषि त्र सप्तर्षि सप्त् अ + ऋषि अर् सप्त् अर् षि सप्तर्षि
आ + ऋ त्र अर्	वर्षा + ऋतु त्र वर्षर्तु वर्ष अ + ऋतु अर् वर्ष अर, तु वर्षर्तु

उदाहरण

गणेश	–	गण + ईश	अ + ई = ए	
यथेष्ट	–	यथा + इष्ट	आ + इ = ए	SI परीक्षा – 2018
रमेश	–	रमा + ईश	आ + ई = ए	
जलोर्मि	–	जल + ऊर्मि	अ + ऊ = ओ	
गंगोर्मी	–	गंगा + ऊर्मि	आ + ऊ = ओ	
कष्वर्षि	–	कष्व + ऋषि	अ + ऋ = अर्	
शुभेच्छा	–	शुभ + इच्छा	अ + इ = ए	
नरेश	–	नर + ईश	अ + ई = ए	
जलोष्मा	–	जल + ऊष्मा	अ + ऊ = ओ	
सप्तर्षि	–	सप्त + ऋषि	अ + ऋ = अर्	
नरेन्द्र	–	नर + इन्द्र	अ + इ = ए	
भारतेन्दु	–	भारत + इन्दु	अ + इ = ए	
मृगेन्द्र	–	मृग + इन्द्र	अ + इ = ए	

ENGLISH

Unleash the topper in you

Time and Tense

Tense (काल) :- Tense किसी कार्य के समय एवं अवस्था को व्यक्त करता है ।

- Tense किसी भी वाक्य को structure प्रदान करता है। जबकि time से उसी वाक्य का समय के आधार पर उचित कार्य निकाला जाता है ।

Tense

- Present Tense
- Past Tense
- Future Tense

- Indefinite
- Continuous
- Perfect
- Perfect Continuous

➢ **Verb** को व्यक्त करने का चिह्न :–

V^1 = (Present Form) = Go
V^2 = (Past Form) = Went
V^3 = (Participle) = Gone
V^4 = (V^1 + ing) = Going
V^5 = (V^1 + s/es) = Goes

1. Present Tense :–

(1) Present Indefinite/Simple Present : - Sub + V^1/V^5 + Obj.

- **Use of present indefinite tense** :-

(a) Habitual or regular or repeated action को express करने में
Eg :- (1) I live at Jaipur.
(2) Sweta and Anshu are dancers.

(b) Universal truth तथा permanent activities में,
Eg :- (1) The sun rises in the east.
(2) Man is mortal.

(c) निकट समय में fixed program तथा Fixed plan के संदर्भ में–
Eg :- (1) The PM comes here tomorrow.
(2) The college reopens in October.

(d) आँखों देखा हाल का प्रसारण (मैच, आयोजन, कार्यक्रम, नाटक आदि) में–
Eg :- (1) Ganguli runs after the ball.
(2) Virat hits a four.

(e) Author के statement को express करने के लिए–
Eg :- Keats says, "A thing of beauty is a joy forever".

(f) History की घटना को जीवंत या ताजा बनाकर दिखाने में–

Eg :- At last, Ram kills Ravan.

(g) ऐसे वाक्य जिससे स्थायी कार्य (Permanent Activity) या स्वभाव (Nature) का बोध हो, तो चाहे वह किसी काल की बात करे, तो उसमें Present Indefinite का प्रयोग होता है।

Ex :- (1) We work with our hand.
(2) We hear with our ears.

(2) Present Continuous :- Sub. + is/am/are + V^4 + Object.

- **Uses** :-

(a) ऐसे कार्यो के लिए जो बोलने के वक्त जारी हो–

Eg :- (1) Mukesh is coming now.
(2) They are playing.

(b) निकट भविष्य के Fixed program of plan तथा जो future tense का बोध कराता हो–

Eg :- (1) He is going to Chennai tonight.
(2) I am leaving for Patna next month.

(c) See, Hear, Smell, Notice, Recognize, Taste, Appear, Seem, Look, Love, Hate, Detest, Dislike, Hope, Doubt, Admit, Wish, Intend, Believe, Know, Have, Comprise, Include etc. के साथ Present Continuous नहीं बनता है ।

Eg :- (1) She is knowing him very well. (✗)
She is knows him very well. (✓)
(2) He is owning a scooter. (✗)
He is owns a scooter. (✓)

(3) Present Perfect :- Sub. + has/have + V^3 + Object.

- **Uses** :-

(a) ऐसे कार्यो के लिए जो तुरन्त समाप्त हुए है–

Eg :- (1) She has written a letter.
(2) I have just bought a pen.

(b) जो कार्य Past में start हुए हो व अब भी जारी है ।

Eg :- (1) I have lived in this house since 1999.
(2) She has been ill since Friday.

(c) इस Tense में निम्नलिखित Adverbs/Adverbial phrases का प्रयोग होता है– Ever, Never, Always, Occasionally, Often, Several Times, Already, Yet, Just, Lately, Recently, So far, Up to now, Up to the present, Since, For etc.

- For → Period of time [for 4 days, for 3 months etc.]
- Since → Point of time [since Monday, since morning]

(4) Present Perfect Continuous :- Subject + has/have + been + V^4 + obj. + For/since + time.

- **Uses** :-

(a) ऐसे कार्य जो Past में प्रारम्भ हुआ और अभी तक जारी है–

Eg :- (1) She has been reading a novel since morning.

(2) I have been teaching in the school for five years.

2. Past Tense

(1) Past Indefinite/Simple past :- Subject + V^2 + Object.

- **Uses** :-

(a) जो कार्य किसी निश्चित समय में घटित हुआ या समाप्त हुआ हो –

Eg :- (1) He went to Mumbai yesterday.

(2) The building was built in 1999.

- Time expressing words- yesterday, The day before yesterday, The other day, Ago, Last morning, Last day, Last week, In march 1942 etc. प्रयोग होते है ।

(b) Past habitual actions को दर्शाने के लिए– Seldom, Always, Used to, Daily, etc. शब्द आते है ।

Eg :- (a) He went on Sundays.

(2) In my childhood, I played cricket.

(3) Gandhiji used to spin in the afternoon.

(c) It is time, it is high time, It is about time etc. के बाद simple past का प्रयोग होता है ।

Eg :- (1) It is time you studied.

(2) It is high time she left for the bus stop.

(d) Suppositional sentences :- प्रायः If, as if, as though, if only, I wish, we wish, he wishes, she wishes, they wish आदि से स्टार्ट होने वाले वाक्यों में Simple past का प्रयोग किया जाता है ।

Eg :- (1) I wish I were the CM of Rajasthan.

(2) He talks as if he were my master.

(e) इस Tense से भूतकाल में कार्य करने की आदत का बोध होता है अर्थात् यह बोध होता है कि कोई कार्य बराबर होता था ।

Ex :- (1) He always helped me.

(2) He never touched wine.

(2) Past Continuous :- Subject + was/were + V^4 (V^1 + ing) + Obj.

- **Uses** :-

(a) Past में जारी कार्यों के लिए

Eg :- (1) They were reading a notice.
(2) I was writing this book yesterday morning.

(b) जब दो कार्य Past में एक ही समय पर हो रहे हो तो दोनों के लिए Past Continuous का प्रयोग होता है।

Eg :- (1) While my brother was singing, I was sleeping.
(2) While I was writing this chapter, my wife was watching TV.

(c) Get, become, grow –verb किसी कार्य में दिनोंदिन वृद्धि या कमी दर्शाये तो Past Continuous tense का प्रयोग किया जाता है।

Eg :- (1) He was becoming poorer and poorer.
(2) It was getting darker and darker.

(3) Past Perfect :- Sub. + had + V^3 + Obj.

- **Uses** :-

(a) अगर दो कार्य Past में एक के बाद एक हो तो पहला कार्य past perfect में और दूसरा कार्य simple past में होगा–

Eg :- (1) The bell had rung before I reached the school.
(2) When she reached there, the dinner had started.

(b) I wish, we wish, he wishes, she wishes, they wish, as if, as though … etc. के बाद काल्पनिक तथ्यों का वर्णन करने में–

Eg :- (1) She wishes she had been born in 1948.
(2) She talks to me as if she had come from the film industry.

(c) Before and After का प्रयोग–

1st action	Before	2nd action
Past perfect		Simple past

2nd action	After	1st action
Simple past		Past Perfect

Eg :- (1) <u>I had seen him</u> before <u>he stopped</u> his car.
(Past perfect) (Simple past)

(2) <u>I met him</u> after <u>I had finished my</u> work.
(Simple perfect) (Simple past)

(d) Verbs- hope, expect, think, mean, intend, suppose, want आदि past में किसी कार्य के होने की उम्मीद की गयी पर पूरा न हुआ के अर्थ में आते है–

Eg :- (1) I had hoped that he would come to see my daughter.

(2) He had wanted to see me but unfortunately he fell ill.

(4) Past perfect continuous :- Subject + had been + V^4 + obj. + For/since + time.

- **Uses** :-

(a) Past में जारी चल रहे किसी कार्य के लिए–

Eg :- (1) I had been reading a novel since 2008.

(2) She had been singing a song.

3. Future Tense

(1) Future Indefinite/Simple future :- Subject + Shall/will + V^1 + Obj.

- **Uses** :-

(a) सामान्य रूप से भविष्य में होने वाले कार्यो के लिए–

Ex :- (1) He will help you.

(2) I Shall meet you.

(b) Future में होने वाले actions को express करने के लिए निम्नलिखित structure-

(i) Sub. + has/have + infinitive.

Eg :- (1) I have to pay the fees. (Future)

(2) He has to come in time. (Future)

(ii) Sub. + is/am/are + going + infinitive.

Eg :- (1) I am going to write several books.

(2) He is going to buy a motorcycle tomorrow.

(2) Future Continuous : - Subject + shall/will + be + V^4 (V^1 + ing) + obj.

- **Uses** :-

(a) Future में जारी रहने वाले कार्यो के लिए–

Eg :- (1) He will be playing cricket tomorrow morning.

(2) She will be staying there.

(3) Future Perfect :- Subject + shall/will + have + V^3 + Obj.

- **Uses** :-

(a) Future में किसी निर्धारित समय तक समाप्त होने वाले कार्यो के लिए–

Eg :- (1) He will have finished his work before Monday.

(2) By this time next year I shall have watched the film.

(b) संभावना (likelihood) और अनुमान (inference)को अभिव्यक्त करने के लिए–

Eg :- (1) You will have heard the name of Mother Teresa.

(2) You will have read the Gita.

(4) Future perfect continuous :- Sub. + Shall/will + Have been +V^4 + Obj.

- **Uses** :-

(a) Future में किसी निश्चित समय तक जारी कार्यों के लिए–

Eg :- (1) Lata will have been singing from morning.

(2) By the end of this month I shall have been teaching have for five year.

Toppersnotes Unleash the topper in you

SUBJECT-VERB AGREEMENT

- किसी भी Sentence में Subject के Number तथा Person के अनुसार Verb का प्रयोग Subject-verb Agreement कहलाता है।
- Verb एवं Noun के बीच अंतरः-
  Noun + s/es → Plural Noun
  Verb + s/es → Singular verb

Rules of Subject Verb Agreement

- दो subject को 'And' से जोड़ा जाए तो verb-Plural होती है।
  E.g.:- Hari and Sohan are playing.
- यदि दो अलग-अलग Noun एक ही व्यक्ति/वस्तु को प्रदर्शित करें तो Singular verb होती है।
  E.g.:- The poet and painter had died.
  The clerk and counselor was present in the meeting.
- कुछ वाक्य ऐसे होते हैं जिनमें Singular subject होते हुए भी Plural verb का प्रयोग किया जाता है, जब वाक्य में 'कल्पना' का भाव या प्रायः असम्भव शर्त का भाव प्रदर्शित होता है जैसे –
  (a) I wish I were the Prime Minister.
  (b) I wish I were a bird.
  (c) Were he a king!
  (d) Were she an eagle, she would fly to me.
  (e) She ordered as if she were my mother
  (f) If I were you, I would kill him.
- दो Noun, जो यद्यपि समानार्थक नहीं है, लेकिन एक Phrase की तरह प्रयुक्त होती है तो भी Verb-Singular लगती है। Actually ये दोनों Noun एक ही idea को व्यक्त करती है। जैसे –
  (a) Bread and butter is a good breakfast.
  (b) Slow and steady wins the race.
- जब दो या दो से अधिक Singular noun, Either… or, Neither …nor से जोडे गए हो तो Verb-Singular लगती है। जैसे –
  (a) No man or woman was present there.
  (b) Either Sita or Ram was present in the party.
  (c) Neither he nor she is responsible for this loss.
- जब दो या दो से अधिक subjects; Either… or; Neither …nor, Or से जोडे गए हो तथा Different persons के हो तो verb अपने पास वाले Person के अनुसार ही लगती है। जैसे –
  (a) Either you or I am to go there.
  (b) Neither he nor you are to attend them.